राज्यपाल सचिवालय, बिहार
राजभवन, पटना–800022
प्रेस–विज्ञप्ति

राज्यपाल सत्य पाल मलिक ने 'MSME-EXPO-2018' को उद्घाटित किया

पटना, 30 जनवरी 2018

''भारत को Manufacturing Hub के रूप में विकसित करने एवं GDP (सकल घरेलू उत्पाद) ग्रोथ को डबल डिजिट में हासिल करने का लक्ष्य तभी संभव होगा, जब देश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME) सेक्टर को आगे बढ़ाने के लिए सार्थक प्रयत्न किये जाएँगे। MSME को विकास का इंजन कहा जाता है। भारत को उद्यमिता जगत् में अगर विश्व में अपनी धाक जमानी है, तो सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग प्रक्षेत्र को विकसित करना ही होगा'' –उक्त उद्गार, महामहिम राज्यपाल श्री सत्यपाल मलिक ने National Vendor Development Programme-Cum-'MSME-EXPO-2018' के उद्घाटन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

श्री मलिक ने कहा कि TCSP योजना के तहत विश्व बैंक के सहयोग से पूरे भारत में 15 पूर्ण विकसित 'टूल–रूम' एवं 'ट्रेनिंग सेन्टर' की स्थापना की जानी है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि इनमें से एक केन्द्र बिहार के पटना जिलान्तर्गत बिहटा में भी खुलना प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार ने इसके लिए निःशुल्क 15 एकड़ भूमि का भी आबंटन कर दिया है तथा केन्द्रीय मंत्रालय भी प्रारंभिक सर्वे का काम तेजी से कर रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार ने देश को Manufacturing Hub के रूप में विकसित करने के लक्ष्य को हासिल करने एवं देश को विश्वस्तरीय विनिर्माण (Manfacturing) प्रक्षेत्र में मजबूत बनाने हेतु त्रिआयामी रणनीति की घोषणा की है। पहली रणनीति 'मेक इन इंडिया' की है। दूसरी रणनीति 'जीरो डिफेक्ट, जीरो इफैक्ट' के माध्यम से लक्ष्य हासिल करने की है और तीसरी रणनीति के तौर पर 'स्किल इंडिया' कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन का लक्ष्य रखा गया है।

श्री मलिक ने कहा कि बिहार का विकास मूलतः कृषि पर आधारित है। इसलिए यह जरूरी है कि यहाँ कृषि पर आधारित खाद्य–प्रसंस्करण (Food Processing) से जुड़े लघु उद्योगों की संभावना तलाशी जाये तथा उसके अनुरूप योजनाओं का कार्यान्वयन हो। उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि 'तीसरे कृषि रोड मैप' का माननीय राष्ट्रपति जी के द्वारा शुभारंभ होने के बाद बिहार सरकार ने उसपर तेजी से अमल शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि 'तीसरे कृषि रोड मैप' की अवधि में कृषि क्षेत्र में 'सतरंगी क्रांति' को साकार करने में सफल होकर हम 'हर भारतीय के थाल में एक बिहारी व्यंजन' के अपने सपने को मूर्त्त रूप दे सकेंगे। बिहार का मखाना उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है। यह एक सुखद संकेत है। दूध, मछली, अंडे आदि के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनकर हम कृषि की 'सतरंगी क्रांति' के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर सकते हैं। राज्यपाल ने कहा कि कृषि–प्रसंस्करण–उद्योगों का जाल बिछाकर हम बिहार को समृद्ध राज्यों की पंक्ति में खड़ा कर सकने में कामयाब हो जाएँगे।

लगातार....पृष्ठ...2 पर

राज्यपाल श्री मलिक ने कहा कि वस्तुतः आज हम एक ऐसी प्रतिस्पर्धात्मक दुनियाँ में जीवन–बसर कर रहे हैं, जहाँ जमाने की जरूरतों के अनुरूप अपनी प्रतिभा और क्षमता के विकास पर सबकुछ निर्भर करेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज हमारे युवाओं को सिर्फ Job Seeker (रोजगार–याचक) बनने से काम नहीं चलेगा, उन्हें Job Provider (रोजगार–प्रदाता) बनना होगा। राज्यपाल ने कहा कि बहुत कम पूंजी के बावजूद अपनी प्रतिभा, परिश्रम, लगन एवं कार्यनिष्ठा की बदौलत, हमने छोटे–छोटे उद्यमियों को भी बड़े–बड़े कीर्त्तिमान रचते अपने ही देश में देखा है। इरादा पक्का हो, पूरी हूनरमंदी हो, काम में ईमानदारी और निष्ठा हो, तो हम बड़े कीर्त्तिमान स्थापित कर सकते हैं। राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि केन्द्र सरकार, राज्य सरकार, बैंक, उद्योग संघ–सभी मिलकर अगर योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हैं, तो भारत 'मेक इन इंडिया' जैसे कार्यक्रमों के जरिये 'न्यू इंडिया' के सपने को निश्चित रूप से साकार कर सकेगा।

कार्यक्रम में उद्योग विभाग के प्रधान सचिव श्री एस॰ सिद्धार्थ, बिहार इंडस्ट्रीज एशोसियेशन के अध्यक्ष श्री के॰पी॰एस॰ केशरी, MSME के अपर विकास आयुक्त श्री सान्तनु मित्रा, MSME डेवलपमेन्ट इन्स्टीच्यूट के निदेशक श्री ए॰आर॰ गोखे आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में एन॰टी॰पी॰सी॰ पटना के जी॰एम॰ (C & M) श्री ए॰ बंद्योपाध्याय, NSIC के वरीय शाखा प्रबंधक श्री एम॰एम॰ सिन्हा, सहित काफी संख्या में उद्यमी एवं औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। राज्यपाल ने इस अवसर पर 'MSME EXPO-2018' का भी औपचारिक उद्घाटन किया।

.....